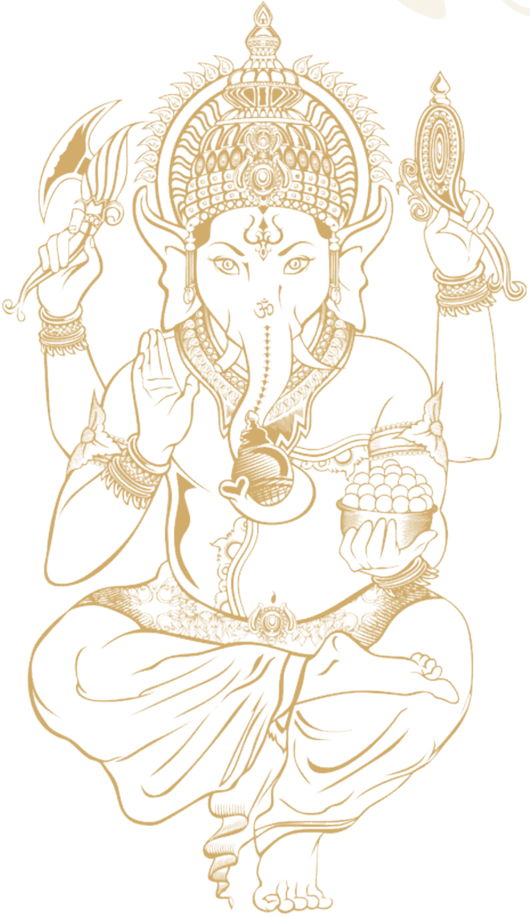

Harsh Saxcena

26 Feb 1997

01:55 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121315302

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **26/02/1997**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	: **13:55:00 घंटे**
इष्ट	: 18:20:30 घटी
स्थान	: **Jabalpur**
राज्य	: Madhya Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 23:10:00 उत्तर
रेखांश	: 79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 13:44:48 घंटे
वेलान्तर	: -00:12:56 घंटे
साम्पातिक काल	: 00:09:42 घंटे
सूर्योदय	: 06:34:47 घंटे
सूर्यास्त	: 18:11:44 घंटे
दिनमान	: 11:36:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 13:57:53 कुम्भ
लग्न के अंश	: 17:59:59 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: गण्ड
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:59:59	320:16:32	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	13:57:53	01:00:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	26:44:46	12:09:04	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		कन्या	09:27:32	00:15:29	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	कुंभ	03:03:48	01:42:22	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु			मक	14:24:18	00:13:13	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र		अ	कुंभ	05:09:44	01:14:58	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मीन	12:27:13	00:06:55	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु			कन्या	04:56:32	00:01:31	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:56:32	00:01:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	12:39:41	00:03:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	05:03:13	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	11:45:16	00:00:22	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	08:49:27	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:03

लग्न-चलित

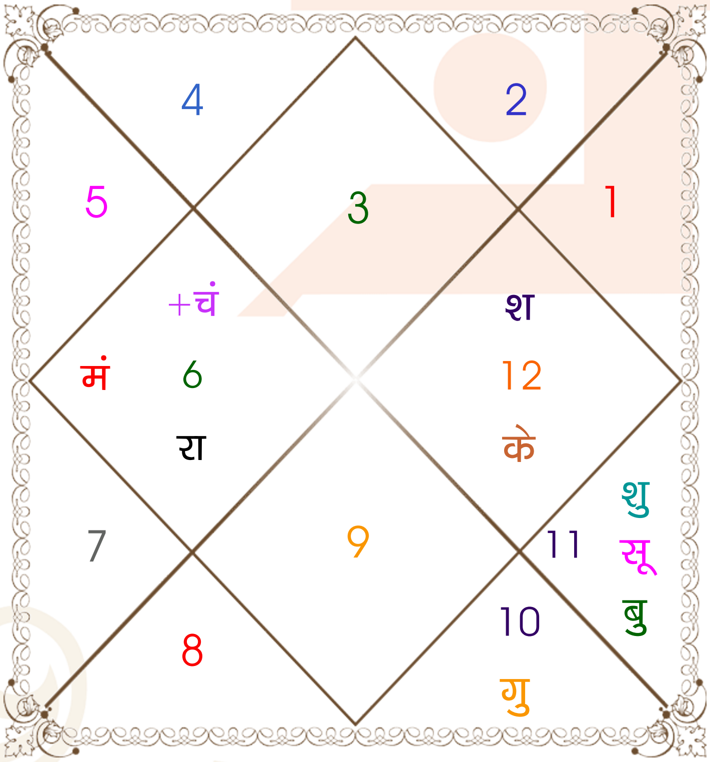

चन्द्र कुंडली

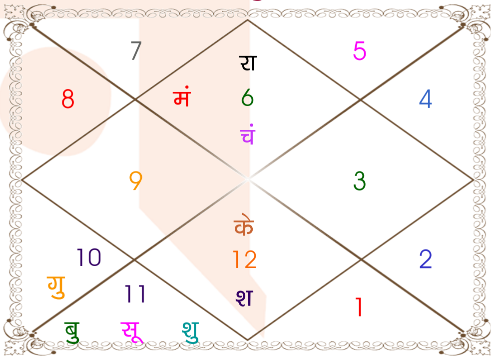

नवमांश कुंडली

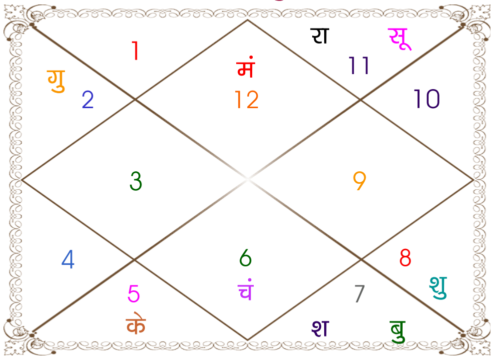

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 2 मास 15 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
26/02/1997	**13/05/2002**	**13/05/2020**	**13/05/2036**	**14/05/2055**
13/05/2002	**13/05/2020**	**13/05/2036**	**14/05/2055**	**13/05/2072**
00/00/0000	राहु 24/01/2005	गुरु 01/07/2022	शनि 17/05/2039	बुध 09/10/2057
26/02/1997	गुरु 19/06/2007	शनि 11/01/2025	बुध 24/01/2042	केतु 06/10/2058
गुरु 03/10/1997	शनि 25/04/2010	बुध 19/04/2027	केतु 05/03/2043	शुक्र 06/08/2061
शनि 12/11/1998	बुध 12/11/2012	केतु 25/03/2028	शुक्र 04/05/2046	सूर्य 13/06/2062
बुध 09/11/1999	केतु 30/11/2013	शुक्र 24/11/2030	सूर्य 16/04/2047	चंद्र 12/11/2063
केतु 06/04/2000	शुक्र 30/11/2016	सूर्य 12/09/2031	चंद्र 15/11/2048	मंगल 08/11/2064
शुक्र 06/06/2001	सूर्य 25/10/2017	चंद्र 11/01/2033	मंगल 24/12/2049	राहु 29/05/2067
सूर्य 12/10/2001	चंद्र 25/04/2019	मंगल 18/12/2033	राहु 30/10/2052	गुरु 03/09/2069
चंद्र 13/05/2002	मंगल 13/05/2020	राहु 13/05/2036	गुरु 14/05/2055	शनि 13/05/2072

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
13/05/2072	**14/05/2079**	**14/05/2099**	**14/05/2105**	**15/05/2115**
14/05/2079	**14/05/2099**	**14/05/2105**	**15/05/2115**	**00/00/0000**
केतु 09/10/2072	शुक्र 12/09/2082	सूर्य 31/08/2099	चंद्र 15/03/2106	मंगल 11/10/2115
शुक्र 09/12/2073	सूर्य 12/09/2083	चंद्र 02/03/2100	मंगल 14/10/2106	राहु 28/10/2116
सूर्य 16/04/2074	चंद्र 13/05/2085	मंगल 08/07/2100	राहु 13/04/2108	गुरु 27/02/2117
चंद्र 15/11/2074	मंगल 13/07/2086	राहु 01/06/2101	गुरु 13/08/2109	00/00/0000
मंगल 13/04/2075	राहु 13/07/2089	गुरु 21/03/2102	शनि 15/03/2111	00/00/0000
राहु 01/05/2076	गुरु 13/03/2092	शनि 03/03/2103	बुध 13/08/2112	00/00/0000
गुरु 07/04/2077	शनि 14/05/2095	बुध 07/01/2104	केतु 14/03/2113	00/00/0000
शनि 16/05/2078	बुध 14/03/2098	केतु 14/05/2104	शुक्र 13/11/2114	00/00/0000
बुध 14/05/2079	केतु 14/05/2099	शुक्र 14/05/2105	सूर्य 15/05/2115	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 2 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।